जनता का सवाल?

लखनऊ से कानपुर जाने वाले हाईवे पर नादरगंज के आसपास दिन भर लंबा जाम लगा रहता है। स्थानीय पुलिस चौकी जाम को हटाने के लिए बनाई गई। कानपुर से आने वाले यात्री एयरपोर्ट पहुंचने में अक्सर लेट हो जाते हैं। आखिर यहां कब खत्म होगा जाम का झाम।

बोले वोटर

विकास पर दूंगा वोट

हम उसे वोट देंगे जो एजुकेशन पर ध्यान देगा, देश के विकास में अहम योगदान देगा, देश के हित के लिए काम काम करेगा और जो बेरोजगारी की समस्या को दूर करे।

वीरेंद्र कनौजिया

जो सख्ती से करे काम

ईमानदार पार्टी को ही वोट दूंगा। जो पब्लिक को जाने और उसके साथ चले। जो आतंकवाद जैसे मुद्दे पर सख्ती से काम करे। साथ ही बेरोजगारी को दूर करने में भी परिणाम देने वाले प्रयास करे।

अजय राजपूत

अच्छे भविष्य के लिए वोट करूंगा

देश के विकास, अच्छे भविष्य, बेहतर स्वास्थ्य और गुणवत्तापरक शिक्षा के लिए जाति व धर्म से ऊपर उठकर राष्ट्र पहले की सोच रखते हुए अपने वोट का इस्तेमाल करूंगा।

सर्वेंद्र मणि त्रिपाठी

लोक सभा चुनाव में आप किस मुद्दे पर वोट करेंगे। हमें अपनी फोटो सहित लिखकर **lucknow@lko.jagran.com** पर मेल करें।

किस्सागोई

अटल बोले, कुर्ता पहना दिया अब पायजामा भी पहना दो

वह वर्ष 1993 का दौर था। उस समय महोना विधानसभा सीट थी, जो अब बख्शी का तालाब हो गई है। उस समय राजनाथ सिंह महोना विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे थे। उस समय अटल बिहारी वाजपेयी को एक चुनावी सभा में आना था। कार्यक्रम तय हुआ। सभा से पहले अटल बिहारी वाजपेयी का कार्यक्रम किसी कार्यकर्ता के घर पर भोजन करने का तय हुआ था। भोजन कराने का इंतजाम कराने की जिम्मेदारी मामपुर बाना निवासी राजकुमार सिंह को दी गई। राजनाथ सिंह के लिए होने वाली चुनावी सभा से करीब दो घंटे पहले अटल बिहारी चुनाव प्रभारी वीरेश्वर, राजनाथ सिंह, अभय त्रिपाठी समेत तमाम लोग मामपुर बाना स्थित बिंद्रा सिंह के घर पहुंचे। राजकुमार सिंह बताते हैं कि अटल जी रोटी, दाल, चावल, उड़द के दही बड़े चाव से खाने के दौरान ही मुस्कुराते हुए बोल पड़े एक और बड़ा मिलेगा। भोजन करने के बाद कुछ देर विश्राम किया। इसके बाद बख्शी का तालाब स्थित सेंट्रल बैंक शाखा के निकट चुनावी सभा में जनता से अटल बोले आप लोगों ने हमें कुर्ता तो पहना दिया है अब पायजामा भी पहना दो।

चुनाव चौपाल

नागरिक सुविधाएं बनें मुद्दा तो संवर जाए अपना लखनऊ

दैनिक जागरण कार्यालय में नागरिक सुविधाओं पर हुई चुनाव चौपाल में विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों ने रखे अपने विचार

नागरिक सुविधाएं शहर के विकास की नींव बनाती हैं। मूलभूत सुविधाओं को ध्यान में रखकर अगर विकास की दिशा में प्रयास किया जाए तो लखनऊ बेहतर शहर के रूप में संवर कर सामने आएगा। यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करना पुलिस के लिए चुनौती है तो नगर निगम के सामने स्वच्छता। अतिक्रमण के खिलाफ सख्ती हो तो सड़कें खुद चौड़ी नजर आएंगी। सरकारी तंत्रों में समन्वय की कमी से विकास की राह में रोड़े आते हैं। चुनाव में राजनीतिक दल के नेता नागरिक मुद्दों पर बात रखने के बजाय अपना उल्लू सीधा करते हैं। ऐसे में आवश्यक्ता है तो बुद्धजीवी वर्ग को सामने आकर वास्तविक मुद्दों को सार्वजनिक करने की। दैनिक जागरण कार्यालय में गुरुवार को चुनाव चौपाल के दौरान विभिन्न क्षेत्र के विशेषज्ञों ने बेबाकी से अपनी बात रखी और नागरिक सुविधा की जरूरतों को पूरा करने की मांग की।

रूल और रेगुलेशन कोई फॉलो नहीं करता। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ दंड प्रभावी नहीं है। कठोर नियम हों तो लोगों में सुधार नजर आए। यातायात व्यवस्था का हाल खराब है। गलत करने वालों के खिलाफ कार्रवाई नहीं होती। लोगों में डर खत्म हो रहा है। चौराहों पर पुलिस ड्यूटी पर नहीं दिखती। सड़क हादसों में लोग काल के गाल में समा रहे हैं। मृतकों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है, जिसे रोकने की दरकार है। अतिक्रमण ज्यादा है। हाईकोर्ट के आदेश के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। फुटपाथ पर लोगों ने कब्जा कर रखा है।

मुकेश जसनानी, निदेशक, के संस ग्रुप

सफाई बड़ी समस्या है। पॉलीथिन पर बैन लगा था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हो रही। लोग अब भी इस्तेमाल कर रहे हैं। कूड़े का निस्तारण नहीं हो पा रहा है। पर्यावरण का नुकसान हो रहा है। जिम्मेदार शासन के आदेश का अनुपालन नहीं करा पा रहे हैं।

विमल मिश्रा, सचिव आशियाना जनकल्याण समिति सेक्टर एन

आसपास के जिलों से बड़ी संख्या में लोग लखनऊ इलाज कराने आते हैं। मेडिकल कॉलेज में वेंटिलेटर की समस्या के कारण उन्हें परेशानी उठानी पड़ती है। इसके अलावा पार्किंग और अतिक्रमण की समस्या आम है। कॉम्पलेक्स के बाहर पार्किंग आवश्यक है और बिना इसके अगर कहीं निर्माण हो रहा है तो इस पर रोक लगनी चाहिए। यातायात की समस्या व्यापक है। इससे लखनऊ अस्तव्यस्त रहता है। प्रमुख बाजारों में महिलाओं के लिए शौचालय की व्यवस्था होनी चाहिए।

संजय गुप्ता, अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल

स्वास्थ्य और शिक्षा दो बड़े मुद्दे हैं। सरकारी स्कूल और अस्पताल में बजट जाता है, लेकिन सुविधाएं नहीं हैं। सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों का वेतन निजी स्कूलों की अपेक्षा बेहतर है, लेकिन वहां पढ़ाई नहीं होती। सरकार बातें करती हैं, लेकिन कार्रवाई नहीं होती। बच्चों का कॅरियर बनाना है इसलिए मजबूरी में निजी स्कूलों में जाना पड़ता है। शिक्षा व्यवस्था की दुर्दशा पर दंड निर्धारित होना चाहिए।

रामकुमार यादव, उपाध्यक्ष गोमतीनगर विस्तार महासमिति

दैनिक जागरण कार्यालय में आयोजित चुनाव चौपाल में 'नागरिक सुविधा' विषय पर अपने विचार रखते विशेषज्ञ

सरकार से पारंपरिक बाजारों की सुधार की मांग है। हजरतगंज को बेहतर किया गया, जबकि 107 वर्ष पुराने अमीनाबाद बाजार में अव्यवस्था बहुत है। व्यावसायिक क्षेत्रों में सुधार हो। शिक्षा क्षेत्र में सुधार की बेहद आवश्यकता है। निजी विद्यालय लोगों की आमदनी के हिसाब से वसूली ज्यादा कर रहे हैं, जिन पर अंकुश नहीं है। इन पर नकेल जरूरी है। पढ़ाई की आड़ में निजी स्कूल अन्य व्यावसायिक लाभ भी ले रहे हैं।

जितेंद्र सिंह चौहान, अध्यक्ष, स्टेशनरी विक्रेता एवं निर्माता एसोसिएशन

जनसंख्या और स्वास्थ्य व्यापक मुद्दा है। सड़क पर गड्ढे हैं, जिससे लोगों को समस्या का सामना करना पड़ता है। गड्ढे की वजह से झटका लगने से बीमारियों में बढ़ोतरी होती है। वायु व ध्वनि प्रदूषण से लोगों को सुनने और सांस लेने में दिक्कत हो रही है। जनरेटर चलने से तेज ध्वनि होती है, जो समस्या पैदा करती है। टैक्स देने वालों को वापस कुछ नहीं मिलता। पीजीआइ में मरीजों के लिए पार्क नहीं है। नगर निगम वहां की जमीन को टेक ओवर नहीं कर रही।

डॉ. पीके गुप्ता, अध्यक्ष, सामाजिक सरोकार मंच

टैक्स का पैसा बर्बाद हो रहा है। सड़क बनती है और विभाग वाले केबल डालने के लिए उसे खोद देते हैं। कॉलोनियों में भूमिगत केबल बिछाई जाए तो सड़क की खोदाई न हो। टैक्स का पैसा बेवजह खर्च न किया जाए। मानकों के अनुसार मैनहोल बनाए जाए, जिससे लोगों की जान बचाई जा सके। इस मुद्दे को गंभीरता से लेने की आवश्यकता है। विभागों में आपसी तालमेल नहीं है।

रूप कुमार शर्मा, सचिव, गोमतीनगर जनकल्याण महासमिति

जानकीपुरम विस्तार में तमाम समस्याएं हैं, इसमें पानी की दिक्कत बड़ी है। सीवर का डिस्पोजल ही नहीं है। पानी की टंकियां तो हैं, लेकिन सब जर्जर हो गई हैं, जिससे उनमें पानी की सप्लाई नहीं होती। सुव्यवस्थित विकास की दरकार है, जिससे सड़कों की खोदाई न हो। ट्रेंड सिस्टम बहुत जरूरी है। बड़ी कंपनियां इसका पालन करती हैं। हमें भी उनसे सीखना चाहिए। कूड़ा निस्तारण की काफी दिक्कत है।

जीसी सिंघल, वरिष्ठ नागरिक, जनकल्याण समिति, जानकीपुरम विस्तार

नियम कानून है, लेकिन इसका क्रियान्वयन नहीं हो पा रहा है। दोषियों को सजा नहीं दी जा रही। शिक्षा, स्वास्थ्य, भ्रष्टाचार व अतिक्रमण समेत कई मुद्दे हैं। हालांकि वैचारिक अतिक्रमण की समस्या सबसे बड़ी है। घर के चार लोग आपस में बात नहीं कर रहे। समाज में विषमता फैली हुई है और इसके बारे में लोगों को पता ही नहीं। समय के साथ चीजें बदल गई हैं। तब लोग मैदान में खेलते थे, आज मोबाइल फोन में व्यस्त हैं। नेता मूलभूत मुद्दों पर बात ही नहीं करते और बुद्धिजीवी वर्ग वोटिंग में पूरा सहयोग नहीं कर रहा।

एसके बाजपेई, सचिव, वरिष्ठ नागरिक महासमिति

एलडीए की योजना वर्ष 1986 में शुरू हुई। आशियाना के कुछ इलाकों का विकास करने के लिए एलडीए ने इसे निजी कंपनी को दे दिया। सेक्टर जे, के, एन और एम समेत अन्य निजी कंपनी के हाथ में चले गए और कंपनी ने बिना कोई काम किए लोगों को यूं ही वापस कर दिया। नगर निगम और एलडीए में समन्वय नहीं हो पा रहा है। आपस मे दोनों उलझे हैं। नगर निगम को ये कॉलोनियां हस्तांतरित किए जाने की मांग है, लेकिन इस पर कोई ध्यान नहीं दे रहा।

कमलेश वर्मा, महासचिव, आशियाना जनकल्याण समिति सेक्टर एन

कार्मिकों ने पोस्टल बैलेट से डाले वोट

- चुनाव ड्यूटी में लगने वाले कार्मिकों ने किया मतदान
- केकेसी कॉलेज में एक मई तक पोस्टल बैलेट से डाले जाएंगे वोट

जासं, लखनऊ : छह मई को होने वाले मतदान से पहले ही चुनाव ड्यूटी में लगने वाले कार्मिकों का पोस्टल बैलेट के जरिए वोट डालने की प्रक्रिया गुरुवार से शुरू हो गई। केकेसी कॉलेज में आज करीब नौ सौ कार्मिकों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

जिला निर्वाचन अधिकारी कौशल राज शर्मा के मुताबिक पहले दिन 878 कार्मिकों ने अपना मत डाला। चुनाव में लगने वाले सहायक रिटर्निंग आफीसर और उनका स्टाफ, माइक्रो आब्जर्वर, सेक्टर मजिस्ट्रेट, जोनल मजिस्ट्रेट और 2-बी कर्मचारियों ने वोट डाले। पोस्टल बैलेट के जरिए करीब 35 हजार कार्मिक अपने मत का प्रयोग करेंगे।

आईडी साथ लेकर आएं कार्मिक : पहले दिन कई कर्मचारी इसलिए वोट नहीं डाल पाए क्योंकि उनके पास मतदाता पहचान पत्र या फिर कोई अन्य आधिकारिक आईडी नहीं थी। इसके अलावा कई कर्मचारियों को भाग संख्या और क्रमांक की जानकारी नहीं थी। डीएम ने निर्देश दिए हैं कि चुनाव ड्यूटी में लगने वाले कार्मिकों को सरकारी कार्यालयों से मिला पहचान पत्र लाना होगा ताकि वह अपना वोट डाल सकें। इसके अलावा कार्मिकों को वोट डालने के लिए ट्रेनिंग से दो घंटे पहले आना होगा।

केकेसी में मतदान करते चुनाव कर्मी

मतगणना स्थल का किया निरीक्षण : मतदान के बाद रमाबाई रैली स्थल पर मतगणना होगी। तैयारियों को लेकर आज जिला निर्वाचन अधिकारी ने प्रेक्षकों के साथ रमाबाई रैली स्थल का निरीक्षण किया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने अफसरों को सभी तैयारियां समय से दुरुस्त करने के निर्देश दिए।

पूनम सिन्हा ने किया दौरा : सपा-बसपा गठबंधन की प्रत्याशी पूनम सिन्हा भी कार्मिकों के पोस्टल बैलेट के जरिए हो रहे मतदान को देखने के लिए पहुंची। पूनम ने निर्वाचन अधिकारियों से पूरी प्रक्रिया को समझा।

गर्मी के कारण दो लोग बेहोश

केकेसी कॉलेज में ट्रेनिंग के दौरान कई कार्मिक भीषण गर्मी के चलते बीमार हो गए। दो कार्मिक तो बेहोश गए और उनको अस्पताल ले जाया गया। दरअसल टेंट के नीचे गर्मी और उमस के चलते कार्मिकों को परेशानी हुई। कई कार्मिक पीने का पानी नहीं होने की शिकायत करते भी मिले।

पूनम ने विकास के लिए मांगा वोट

लखनऊ : सपा-बसपा गठबंधन की उम्मीदवार पूनम सिन्हा ने शहर में जगह-जगह जनसंपर्क कर अपने लिए वोट मांगें। पूर्वी विधानसभा क्षेत्र में निशातगंज चौराहे पर आयोजित सभा में पूनम सिन्हा ने कहा कि अब मुझे नहीं लगता कि मैं मुंबई जा पाऊंगी। पूर्वी विधानसभा क्षेत्र से सपा के टिकट पर चुनाव लड़ चुके अनुराग सिंह भदौरिया की तरफ से आयोजित सभा में पूनम ने लखनऊ के सुनियोजित विकास के लिए वोट मांगा। उधर, महिला व्यापारी समन्वय समिति की तरफ से आशियाना में पूनम विद कॉफी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पूनम सिन्हा ने महिला बिल, सुरक्षा और न्यूनतम दर पर व्यापारिक लोन देने का वादा किया। उन्होंने कहा कि शहर का समुचित विकास कराया जाएगा, जिससे हर किसी को विकास का लाभ मिल सके। समिति की अध्यक्ष श्वेता मनोचा ने बच्चों की निरंतर बढ़ रही फीस का मुद्दा उठाया तो पूनम ने कहा कि अगर काम करने का मौका मिला तो जनता को इससे राहत दिलाने का काम किया जाएगा। पूनम सिन्हा चौक के काली जी मंदिर, कोनेश्वर मंदिर में दर्शन करने के बाद शाहमीना शाह मजार पर भी गईं और गोमती तट पर चित्रगुप्त जी मंदिर के दर्शन किए। पारा में कांशी राम कालोनी, बिल्लौचपुरा में सभा को संबोधित किया।

बालागंज बाजार में पदयात्रा कर भाजपा को अधिक से अधिक मतों से विजयी बनाने की अपील करते विधायक पंकज सिंह और सुरेश श्रीवास्तव

पंकज और नीरज ने संभाली राजनाथ के प्रचार की कमान

नीरज सिंह को स्मृति चिह्न भेंट करते सिन्धी समाज के लोग

लखनऊ : केंद्रीय गृहमंत्री और भाजपा उम्मीदवार राजनाथ सिंह के प्रचार की कमान दोनों बेटों पंकज और नीरज सिंह ने संभाल रखी है। चुनाव कार्यक्रम की घोषणा होने से पहले से ही पंकज व नीरज हर किसी से संपर्क बनाए हुए थे और अब शहर के हर इलाके में जा रहे थे। अब चुनाव आ गया है और राजनाथ सिंह की व्यस्तता देश भर में भाजपा का प्रचार करने की है तो लखनऊ में उनका प्रचार बेटों के ही कंधों पर है। पंकज व नीरज सिंह के कार्यक्रम शहर भर में लगाए जा रहे हैं। अगर किसी वीआइपी की सभा है तो उसमें भी पंकज या फिर नीरज सिंह नजर आ रहे हैं। गुरुवार को भी दोनों ने पश्चिम क्षेत्र के विधायक सुरेश श्रीवास्तव और उत्तर क्षेत्र से डॉ.नीरज बोरा के साथ जनसंपर्क, बैठकें और नुक्कड़ सभाएं की। प्रदेश महामंत्री पंकज सिंह ने पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में आयोजित कार्यक्रमों में कहा कि नरेंद्र मोदी देश के फिर से प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं। ऐसा पिछले तीन चरणों के मतदान एवं ईवीएम में गड़बड़ी के आरोपों से सिद्ध हो रहा है। विपक्ष जान चुका है कि उसकी हार सुनिश्चित है। विपक्ष अब केवल अपना वजूद बचाने की लड़ाई लड़ रहा है। उधर, युवा नेता नीरज सिंह ने भी मध्य और कैंट विधानसभा क्षेत्र में बैठकें एवं नुक्कड़ सभाएं की। सभाओं में उन्होंने हर किसी से भाजपा को वोट देने की अपील की।

पूरे देश में भाजपा की लहर : दिनेश शर्मा

लखनऊ : भाजपा उम्मीदवार राजनाथ सिंह के लिए अलीगंज में आयोजित सभा में उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने विपक्षी दलों पर निशाना साधा और कहा कि मोदी सरकार नए भारत की नींव रख रही है। मोदी लहर विपक्षियों के लिए कहर बन रही है। डॉ. शर्मा ने कहा कि राजनाथ ने लखनऊ को विकास क्षेत्र बनाने का काम किया है। 104 किलोमीटर आउटर रिंग रोड समेत तमाम योजनाएं शहरवासियों को दी गई है। आज लोग अपना मत जाति धर्म के हिसाब से नहीं बल्कि विकास के लिए दे रहे हैं। पूरे देश में भाजपा की लहर है और इससे परेशान विपक्ष अब झूठे आरोप लगा रहा है। सभा में विधायक डॉ.नीरज बोरा, नीरज सिंह व पार्षद रुपाली गुप्ता भी शामिल थीं।

'समस्याओं से जूझ रहा लखनऊ'

लखनऊ : कांग्रेस प्रत्याशी आचार्य प्रमोद कृष्णम ने गुरुवार को खदरा में जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मोदी व योगी सरकार कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा सरकार बनाने पर गरीब परिवारों को दिए जाने वाले 72 हजार रुपये की योजना का विरोध कर रहे हैं, वहीं मनरेगा योजना के बजट में कटौती भी कर रहे हैं। आचार्य ने कहा कि आज लखनऊ का युवा पलायन कर रहा है, जबकि देश के गृहमंत्री का यह संसदीय क्षेत्र है। उन्होंने व्यापारियों से पूछा कि जीएसटी में कितनी बार संशोधन किया गया। इससे पता चलता है कि सरकार की मंशा क्या है? लखनऊ में नगर निगम व सांसद सीट पर भाजपा का कब्जा है, लेकिन हालात ही बता रहे हैं कि कोई काम नहीं हुआ है। तमाम क्षेत्रों में पेयजल का इंतजाम नहीं है। सीवर लाइनें भी हर इलाकों में नहीं है। अब बदलाव का वक्त है और जनता भी यही चाहती है। लखनऊ की जनता का प्यार और आशीर्वाद मिला तो लखनऊ के नौजवान रोजगार के लिए पलायन नहीं करेंगे और व्यापारी तमाम दिक्कतों से मुक्त हो जाएंगे।

मुद्दा — गुमनामी के अंधेरों में खो गईं धरोहरें, आज तक किसी भी सांसद और नेता ने नहीं ली इसे संवारने की सुध

ईंट दर ईंट दरक रहा इतिहास

मोहनलालगंज एक ऐसी सीट है जिसके आंचल में इतिहास समाया हुआ है। वर्ष 1857 की क्रांति से जुड़े कई निशान मोहनलालगंज के इन इलाकों की पहचान हैं, लेकिन समय के साथ यह ऐतिहासिक धरोहर गुमनाम होती गईं। जिन धरोहरों के नाम से बख्शी का तालाब, मोहनलालगंज का प्राचीन गेट और सरोजनीनगर का गौरा जाना जाता है। उसके संरक्षण और पर्यटन के प्रति बढ़ावा देने के लिए यहां से चुने गए सांसदों और विधायकों ने कभी गंभीर प्रयास नहीं किए। हर बार धरोहरों के नाम पर सियासत हुई। नतीजा शून्य रहा। आज बदहाल होती धरोहर को देख क्षेत्र के लोगों में सियासतदारों को लेकर नाराजगी भी है। राजनैतिक दलों के घोषणा पत्र में भी इन विरासतों को सहेजने के लिए कोई स्थान नहीं मिलता। यदि सरकार चेत जाए तो मोहनलालगंज पर्यटन के नक्शे पर उभरकर आ जाएगा। मोहनलालगंज क्षेत्र में मौजूद ऐसे ही ऐतिहासिक स्थलों की स्थिति पर **निशांत यादव** की रिपोर्ट...

वजूद खोने लगा बख्शी का तालाब

लखनऊ से दिल्ली जाने वाले शाही गलियारे पर लखौड़ी से अवध नवाब अमजद अली शाह के खजांची रहे त्रिपुरचंद्र बख्शी ने वर्ष 1805 में शुरू कराया था। आज यह गलियारा राष्ट्रीय राजमार्ग 24 हो गया है। तालाब और बांके बिहारी मंदिर सहित अन्य धरोहरों का पूरा निर्माण 10 साल में पूरा हुआ। तालाब इतना गहरा बनाया गया था जिसके चलते बरसात के पानी तथा प्राकृतिक जलस्रोतों से यह तालाब हमेशा पानी से लबालब रहता था। इस शाही तालाब में जनाना घाट और चारों ओर गुम्बद और बुर्ज बनाए गए थे। इस शाही तालाब के उत्तर में मवेशियों के पानी पीने का रास्ता बनाया गया था। पर्यटन विभाग ने बड़े नलकूप का निर्माण कराया, लेकिन नलकूप का निर्माण गुणवत्तापूर्ण न कराये जाने की वजह बीकेटी नगर पंचायत ने जल निगम से नलकूप को अपने अधिकार में नहीं लिया। इस कारण तालाब सूखा पड़ा है। आज इसकी हालत खेल के मैदान की तरह है। वर्ष 1997 में पर्यटन विभाग ने 40 लाख रुपये, वर्ष 2009 में 22 लाख रुपये खर्च किए । वर्ष 2013 से 2014 में पर्यटन विभाग ने 4.69 करोड़ रुपये खर्च कर रंगीन फौव्वारा लगाया और सुदंरीकरण के तहत लाल पत्थर लगाए गए। काम की गुणवत्ता को लेकर कई सवाल उठे। फौव्वारा बंद हो गया। पत्थर टूटने लगे।

सूख गई हुलासखेड़ा की झील

चारों ओर से कई एकड़ में मौजूद झील से घिरा मोहनलालगंज का हुलासखेड़ा उत्खनन स्थल है। वर्ष 1978 से 1979 तक खोदाई के दौरान इतिहास को समेटी कई चीजें यहां से निकली, लेकिन हालत यह है कि 84 बीघे में स्थित करेला झील से घिरे उत्खनन स्थल पर भारी बारिश के दिनों में जाने का रास्ता तक बंद हो जाता है। झील में पानी न के बराबर मौजूद है। उत्खनन स्थल तक पहुंचने के लिए उबड़ खाबड़ रास्ते हैं। यहां म्यूजियम तो बना है लेकिन पहुंचने वाले लोगों के लिए देखने को कुछ भी नही है। अधिकांश स्कूली बच्चे प्राचीन इतिहास देखने आते हैं। पर्यटन विभाग की नजर कभी भी इस पर नहीं पड़ सकी।

मिट गया ऐतिहासिक गेट का वजूद

जिस तरह लखनऊ के एक छोर पर प्रवेश के लिए रूमी गेट है। उसी तरह रायबरेली की तरफ जाते समय मोहनलालगंज में दो ऐतिहासिक गेट क्षेत्र की पहचान थे। एक गेट तो वर्षों पूर्व जमींदोज हो गया, जबकि रायबरेली रोड के चार लेन होने पर दूसरा गेट भी इतिहास के पन्नों में समा गया। राष्ट्रीय मार्ग प्राधिकरण के आश्वासन के बावजूद आज तक दूसरा गेट नहीं बन सका। सिसेंडी के राजा काशी प्रसाद ताल्लुकेदार ने वर्ष 1860 में इन गेटों को बनवाया था। इसी के बगल में काशीश्वर महादेव मंदिर का निर्माण करवाया गया, जो आज शिवाला के नाम से जाना जाता है। प्राचीन शिवाला की हालत जर्जर हो रही है।

श्रावस्ती बलरामपुर की महिलाएं मांगे 'सुरक्षा'

दैनिक जागरण हर वोट कुछ कहता है

इलेक्शन कवरेज की स्पेशल ग्राउंड रिपोर्ट देखने के लिए लॉग ऑन करें
www.jagran.com/vdo
स्कैन करें
/dainikjagran @JagranNews /dainikjagrandigital